हिंदी
समतुल्य पाठावली

कक्षा
7

केरल सरकार

शिक्षा विभाग

केरल राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण

द्वारा निर्मित

2020

राष्ट्रगान

जन-गण-मन-अधिनायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंध-गुजरात-मराठा,
द्राविड़-उत्कल-बंग,
विंध्य-हिमाचल, यमुना-गंगा
उच्छल जलधि-तरंग,
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष माँगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जनगण-मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे !

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है। सभी भारतीय मेरे भाई-बहन हैं।
मुझे अपने देश से प्रेम है और उसकी संपन्न और विविध परंपरा पर गर्व है।
उसके योग्य होने के लिए मेरा प्रयत्न जारी रहेगा। माता-पिता, गुरु तथा अग्रज
मेरे आदरणीय होंगे और उनसे मेरा व्यवहार सम्मानपूर्ण होगा।
मेरी प्रतिज्ञा है कि अपने देश और जनता के प्रति मेरी श्रद्धा अटल रहेगी।
उनकी उन्नति और समृद्धि पर ही मेरा सुख निर्भर है।

Prepared by:
Kerala State Literacy MissionAuthority (KSLMA)
'Aksharam', Near Pettah Boys HSS, Pettah P.O., Thiruvananthapuram 695 024
Website : www.literacymissionkerala.org
e-mail : info.kslma@kerala.gov.in
Phone : 0471-2472253/2472254, Fax: 0471-2462252
First Edition : 2020
Cover & Layout : sanil alathoor
Printed at : C-apt, Tvpm
Price : **₹ 40.00**
© Department of Education, Government of Kerala

अध्येताओं से

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा में शिक्षण की नवीनतम अवधारणाओं की चमक में वर्तमान शिक्षा प्रणाली उदीयमान दिशा धारण कर रही है। इसको आधार मानकर केरल राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में चमत्कारी परिवर्तन होते आ रहे हैं। औपचारिक पढ़ाई का मौका जिन अध्येताओं को प्राप्त नहीं हुआ था, उनको लक्ष्य करनेवाले समतुल्य कार्यक्रम में भी इसी का प्रतिरूप दिया जा रहा है।

हिंदी के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ हिंदी में साहित्यिक तथा व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने हेतु दसवीं कक्षा की यह पाठ्यपुस्तक तैयार की गई है। इसका रूपायन रोचक ढंग से हुआ है ताकि अध्येता में हिंदी सुनने, बोलने, पढ़ने तथा लिखने की अधिक से अधिक क्षमता जागे।

आशा है, आप इसका पूरा का पूरा लाभ उठाएँगे।

डॉ.पी.एस.श्रीकला
निदेशक
केरल राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण

ശില്പശാലയിൽ പങ്കെടുത്തവർ

അധ്യാപകർ

ഡോ. നന്ദകുമാർ സി.	സെന്റ് ജോസഫ്സ് എച്ച്.എസ്.എസ്. തിരുവനന്തപുരം
ഡോ. ഗീത എസ്.	ഗവ. ഗണപത് എച്ച്.എസ്.എസ്., കോഴിക്കോട്
ഡോ. നിഷ എം.	ഗവ. എച്ച്.എസ്.എസ്., നെയ്യാർഡാം
ഡോ. രോഹിണി കെ.കെ.	മുസ്ലീം അസോസിയേഷൻ കോളേജ് ഓഫ് ആർട്സ് & സയൻസ്, നെടുമങ്ങാട്, തിരുവനന്തപുരം
ഡോ. സജിത എസ്.ആർ.	ഗവ. യു.പി.എസ്., നരിപറമ്പ, പാലക്കാട്

ചിത്രരചന

സുമേഷ് ബാല	ആർട്ടിസ്റ്റ്

അക്കാദമിക ചുമതല

പ്രൊ. (ഡോ.) എസ്.ആർ. ജയശ്രീ	യൂണിവേഴ്സിറ്റി ഓഫ് കേരള

വിദഗ്ധസമിതി

കെ.കെ. കൃഷ്ണകുമാർ	സീമ-61, ആനയറ നഗർ, തിരുവനന്തപുരം

കോ-ഓർഡിനേഷൻ

കെ. അയ്യപ്പൻ നായർ	അസി. ഡയറക്ടർ (തുല്യത & അക്കാദമിക്) സംസ്ഥാന സാക്ഷരതാമിഷൻ

കോ-ഓർഡിനേഷൻ സഹായം

രഞ്ചി എസ് എസ്	പ്രോഗ്രാം ഓഫീസർ, സംസ്ഥാന സാക്ഷരതാമിഷൻ

भारत का संविधान

भाग ४ क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद ४२ क

मूल कर्तव्य - भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे,

ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे,

ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे,

घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे,

ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे, जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,

च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उनका परिरक्षण करे,

छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,

ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे,

झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे,

ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके, और

ट) छह और चौदह साल के बीच के अपने बच्चे/बच्ची को या अपने संरक्षण में रहनेवाले बच्चे/बच्ची को उसके माता-पिता या अभिभावक तदनुकूल शिक्षा प्रदान करने का अवसर दें।

अनुक्रमणिका

इकाई एक

रिश्तों की नमी	कविता	08-11
रिश्ता पक्का करो। लेकिन...	वार्तालाप	12-14
अंधे की लालटेन	लघुकथा/अनुवाद	15-20

इकाई दो

शब्द आदमी है	कविता	24-28
आदिवासी जीवन	लघु लेख	29-31
एक रिपोर्टर की डायरी	डायरी	32-34

इकाई तीन

यात्रीगण कृपया ...	उद्घोषणा	38-41
सिनेमा : पहला दौर	लेख	42-44
माधवीकुट्टी की जीवनी	जीवनी	45-48
ईदगाह	कहानी	49-54

इकाई एक

रिश्तों की नमी

रिश्ता पक्का करो। लेकिन

अंधे की लालटेन

पाठ एक

परिवार... रिश्ता... गाँव

ഒരുവട്ടം കൂടി എൻ ഓർമ്മകൾ മേയുന്ന

തിരുമുറ്റത്തെത്തുവാൻ മോഹം

തിരുമുറ്റത്തൊരുകോണിൽ നിൽക്കുന്നൊരാ

നെല്ലിമരമൊന്നുലുത്തുവാൻ മോഹം

.....

बचपन की यादें हमारे दिल में अब भी ताज़ी हैं। नदी, झील, तालाब, झरना, हरियाली आदि से संपन्न गाँव। दादा-दादी, बहू-बेटी, पोता-पोती से भरा-पूरा परिवार। पाठशाला, मंदिर, मसजिद, चर्च आदि से गरिमामय समाज। लेकिन आज समाज में रिश्तों का कोई मूल्य नहीं। पैसा ही सबकुछ है। प्रकृति से भी हम बहुत दूर हो गये हैं।

1. आपके बचपन के बारे में बताएँ।
2. क्या आपके गाँव में खेती, नदियाँ सब कुछ थे?
3. बचपन की याद दिलानेवाला कोई फ़िल्म-गीत की चार पंक्तियाँ लिखें।

.....

.....

.....

कविता

रिश्तों की नमी

लीलाधर मंडलोई

सूख जाती है जिनके मन की नदी
उन्हें बचपन की नदी याद नहीं आती
वे भूल जाते हैं पानी के विस्मय को
पानी का अर्थ उनके वास्ते
उसका धुंधला-सा बिंब
रह जाता है स्मृति में।

'मन की नदी' से तात्पर्य?

'भूल जाते हैं पानी के विस्मय को' - कौन?

जिनके रिश्ते टूट जाते हैं नदी से
उनके संबंध सूख जाते हैं अपनों से
वे ताउम्र तरसते रहते हैं
रिश्तों की नमी के लिए
वे अकेले पड़ जाते हैं।

प्रकृति और मानव के रिश्ते से क्या संबंध है?

कवि परिचय

नाम	:	लीलाधर मंडलोई
जन्म	:	ग्राम गुढी, छिंदवाडा
कविता संग्रह	:	घर-घर घूमा, रात-बिरात, मगर एक आवाज़, देखा-अदेखा, ये बदमस्ती तो होगी, देखा पहली दफा अदेखा, उपस्थित है समुद्र।
गद्य साहित्य	:	अंदमान-निकोबार की लोक-कथाएँ, पहाड और परी का सपना, चाँद का धब्बा, पेड़ भी चलते हैं, बुंदेली लोक रागिनी।
सम्मान	:	मध्यप्रदेश साहित्य परिषद् के रामविलास शर्मा सम्मान, वागीश्वरी सम्मान, रज़ा सम्मान, पुश्किन और नागार्जुन सम्मान।

सोचें.....

- ‘जिनके मन की नदी सूख जाती है उन्हें बचपन की नदी याद नहीं आती।’ आशय व्यक्त करें।
- “वे ताउम्र तरसते रहते हैं
  रिश्तों की नदी के लिए” – यहाँ कवि किस स्थिति की ओर संकेत करते हैं?
- समान आशयवाली पंक्तियाँ चुनकर लिखें।
  - रिश्तों के मूल्य को हम भूल जाते हैं।
  - जीवन भर हम प्यार के लिए तरसते हैं।

चर्चा करें

- बचपन, गाँव, वहाँ की नदियाँ, बचपन के दोस्त आदि के प्रति आपको आज भी लगाव है। अपना अनुभव बाँट लें।

यह पोस्टर पढ़ें

- 'सितंबर 14 हिंदी दिवस' के लिए एक पोस्टर तैयार करें।
- किन्हीं तीन भाषाओं के पाँच पोस्टरों का संकलन करें।

भाषा की बात

अक्षर पहचानें, लिखें।

रिश्ते	सूख	गाँव	मन	भूल
रहना	संबन्ध	लगाव	स्मृति	भारत
तरसना	नदी से	मगर	मध्यप्रदेश	भाई

र		स		ग		म		भ	
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

'आपका बचपन और नई पीढ़ी का बचपन' : चर्चा करें।

- अपने बचपन की खेती-बाड़ी
- पारिवारिक रिश्ते
- पाठशाला
- धार्मिक एकता

पाठ दो

समाज बदल गया, नयी पीढ़ी अपने में सीमित है। वे सुख-सुविधाओं की खोज में है। इस बदलती दुनिया में रिश्तों का कोई मूल्य नहीं।

वार्तालाप

रिश्ता पक्का करो। लेकिन....

❑ **यह सुविचार पढ़ें, चर्चा करें।**

> रिश्ते चाहे कितने ही बुरे हो उन्हें तोड़ना मत। पानी चाहे कितना भी गंदा हो, अगर प्यास नहीं बुझा सकता पर आग तो बुझा सकता है।

रिश्ता पक्का करो। लेकिन.....

नारायण : मेरी एक पोती है.... उम्र बाईस, B.Tech किया है, नौकरी भी है। कोई लड़का नज़र में हो तो लाइए।

जोसफ : आपकी पोती के लिए किस तरह का परिवार चाहिए?

नारायण : कुछ खास नहीं। बस लड़का M.Tech किया हो, अपना घर हो, कार हो, अच्छी सैलरी।

जोसफ : और कुछ?

नारायण : हाँ, सबसे ज़रूरी बात..... अकेला होना चाहिए.....

जोसफ : (आँखें भर गई) मेरे एक दोस्त का पोता है, जो अकेला है। एक दुर्घटना में सिर्फ़ वही बच पाया।

नारायण : तो करवाओ न रिश्ता पक्का .....

जोसफ : लड़के की भी शर्त है कि लड़की के भी कोई रिश्तेदार न हो।

नारायण : मैं क्या करूँ?

जोसफ : अगर आपका परिवार आत्महत्या कर ले तो ....

नारायण : हमारे परिवार आत्महत्या क्यों करें? .... बाप रे यह आप क्या कहते हैं?

जोसफ : वह मेरा दोस्त, खुद का परिवार है और दूसरे का कुछ नहीं.....

नारायण : (चिंतित होकर) हे भगवान .....।

जोसफ : वर्तमान समाज का शाप ही यही है।

बताएँ

- जोसफ़ की आँखें भर गयी। क्यों?
- 'अगर आपका परिवार आत्महत्या कर ले तो'..... जोसफ़ के इस कथन पर चर्चा करें।

रिश्ते पढ़ें।

Mother	-	माँ	Daughter	-	बेटी
Father	-	पिता	Brother	-	भाई
Son	-	बेटा	Sister	-	बहन

भाषा की बात

पढ़ें... समझें...

मुहम्मद पढ़ता है।	मीना पढ़ती है।
मैं चलता हूँ।	तुम चलते हो।
लड़का देखता है।	लड़के देखते हैं।
कार्तिका नाचती है।	गोपाल नाचता है।

पूरा करके बताएँ।

जोसफ़ : अरे तुम कहाँ जा रहे हो?

अजय : बाज़ार।

जोसफ़ : क्या खरीदने के लिए?

अजय : कल दादी का जनम दिन है। उनके लिए कुछ खरीदना है।

जोसफ़ : अरे वाह! तुम्हारे घर में दादी है? और कौन-कौन हैं?

अजय : .....

जोसफ़ : .....

* अपने बारे में पाँच वाक्य बताएँ।
* संयुक्त परिवार और एकल परिवार पर चर्चा करें।

अक्षर पहचानें, लिखें।

उम्र	**अ**गर	**आ**पकी	पो**त**ी
उन्हें	**अ**केला	**आ**त्महत्या	बा**त**
उनका	**अ**पना	**आ**लू	पि**ता**

उ **अ** **आ** **त**

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

पाठ तीन

വിളക്കുകൈവശമുള്ളവനെങ്ങും വിശ്വം ദീപമയം
വെൺമ മനസ്സിൽ വിളങ്ങിന ഭദ്രനുമേന്മേലമൃതമയം

– ഉള്ളൂർ

"अगर आप सूर्य की तरह चमकना चाहते हो,
तो पहले सूर्य की तरह जलना सीखो।" – ए.पी.जे.अब्दुल कलाम

(समान आशयवाली पंक्तियों तथा उक्तियों का संकलन करें)

- - - - - - - - - -
- - - - - - - - - -
- - - - - - - - - -
- - - - - - - - - -

अंधे की लालटेन

लियो तॉलस्तोय

अनुवादक - सुकेश साहनी

अंधेरी रात में एक अंधा सड़क पर जा रहा था। उसके हाथ में एक लालटेन थी और सिर पर एक मिट्टी का घडा। किसी रास्ता चलनेवाले ने उससे पूछा, "अरे मूर्ख, तेरे लिए क्या दिन और क्या रात। दोनों एक से हैं। फिर, यह लालटेन तुझे किसलिए चाहिए?"

अंधे ने उसे उत्तर दिया, "यह लालटेन मेरे लिए नहीं, तेरे लिए ज़रूरी है कि रात के अँधेरे में मुझसे टकरा कर कहीं तू मेरा मिट्टी का यह घडा न गिरा दें।"

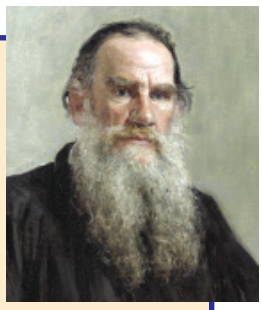

लेखक	:	लियो तॉलस्टाय
जन्म	:	9 सितंबर 1828
साहित्यिक क्षेत्र	:	उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध
भाषा	:	रूसी, फ्रांसीसी
प्रमुख रचना	:	वार एंड पीस, अन्ना कैरेनिना, अ कनफ़ेसन, द किंगडम ऑफ गाड इज विदिन यू
निधन	:	20 नवंबर 1910

अनुवादक	:	सुकेश साहनी
जन्म	:	5 सितंबर 1956
साहित्यिक क्षेत्र	:	कहानी, लघुकथा, संस्मरण, अनुवाद
रचनाएँ	:	देह-व्यापार की लघुकथाएँ, बोझ / लियो तोलस्तॉय ।
अनुवाद	:	खलील जिब्रान की लघुकथाएँ, मैग्मा और अन्य कहानियाँ

सोचें...विचारें...

- अंधेरी रात में अंधा क्यों लालटेन को साथ लेकर चलता होगा?
- "हम सबको एक लालटेन की ज़रूरत है।" क्या आप सहमत है? विचार करें।
  - ज्ञान की कोई सीमा नहीं।
  - ज्ञान परिवर्तनशील है।
  - सामाजिक दृष्टिकोण बदलता है।

गतिविधि

- अंधा और रास्ता चलनेवाले के बीच का वार्तालाप प्रस्तुत करें।
- लियो तॉलस्टाय के साहित्यिक जीवन पर चर्चा करें।

भाषा की बात

पहचानें, लिखें

अंधा सड़क पर जा रहा था।

सीता सो रही थी।

बच्चे सो रहे थे।

राम सो रहा था।

लड़का सो.....

राणी सो .....

लड़के सो .....

रहीम सो .....

जाता था	जा रहा था
सोती थी	सो रही थी
पढ़ते थे	पढ़ रहे थे

आता है - आ रहा है।

जाता है - जा रहा है।

सोती है - सो रही है।

दौड़ते हैं - दौड़ रहे हैं।

राजू कमरे में सोता है।

मुहम्मद स्कूल जा रहा है।

शीला पुस्तक पढ़ती है।

रीना कहानी लिख रही है।

अक्षर पहचानें, लिखें।

लालटेन	ठंडा	सड़क	इधर	ईख
मिट्टी	ठीक	घड़ा	इमली	ईमानदार
टकरा	ठाकुर	लड़का	इक्कीस	ईद
ट	**ठ**	**ड**	**इ**	**ई**

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

गिनती।

❀	एक
❀ ❀	दो
❀ ❀ ❀	तीन
❀ ❀ ❀ ❀	चार
❀ ❀ ❀ ❀ ❀	पाँच

समझें... लिखें...

1	2	3	4	5
एक	दो	तीन	चार	पाँच
- -	- -	- -	- -	- -
- -	- -	- -	- -	- -
- -	- -	- -	- -	- -
- -	- -	- -	- -	- -

सही शब्द चुनकर पूरा करें।

(एक, दो, तीन, चार, पाँच)

- कुर्सी के ..... पैर होते हैं।
- आदमी के ..... आँखें होती हैं।
- पाण्डव ..... होते हैं।

शब्दार्थ

रिश्तों की नमी

रिश्ता	-	ബന്ധം, Relationship
नमी	-	നനവ്, ആർദ്രത, moisture, humidity
सूखना	-	വരളുക, dryness
याद	-	ഓർമ്മ, Memory
भूलना	-	മറക്കുക, Forget
धुंधला	-	മങ്ങിയ, Dull
बिंब	-	ബിംബം, Image
ताउम्र	-	ആജീവനാന്തം, Lifetime

रिश्ता पक्का करो। लेकिन .....

समाज	-	സമൂഹം, Society
पीढ़ी	-	തലമുറ, Generation
खोज	-	അന്വേഷണം, Search
पक्का	-	ഉറപ്പുള്ള, Strong
पोती	-	ചെറുമകൾ, Grand daughter
खास	-	വിശേഷിച്ച്, Specially
अकेला	-	ഒറ്റയ്ക്ക്, alone
दुर्घटना	-	അപകടം, accident
शर्त	-	നിബന്ധന, Condition

अंधे की लालटेन

सड़क	-	റോഡ്, പാത, Road
अंधेरा	-	ഇരുട്ട്, Darkness
लालटेन	-	റാന്തൽ, lantern
मिट्टी	-	മണ്ണ്, Sand
घड़ा	-	കുടം, Pot
मूर्ख	-	വിഡ്ഢി, Fool
गिरना	-	വീഴുക, to fall
टकराना	-	തട്ടുക, knock down

अधिगम उपलब्धियाँ

- सामाजिक व्यवस्था पर चर्चा करता है।
- कविता का आशय ग्रहण करता है।
- वार्तालाप की शैली समझता है।
- कविता पढ़कर अपना मत प्रस्तुत करता है।
- वर्तमानकाल की अवधारणा प्राप्त करता है।
- कहानी पढ़कर आशय ग्रहण करता है।
- अन्य साहित्यिक लेखकों का परिचय प्राप्त करता है।
- वाद-विवाद में भाग लेकर अपना मत प्रकट करता है।
- जीवनवृत्त तैयार करने की क्षमता प्राप्त करता है।

इकाई दो

शब्द आदमी है
हम भी इंसान है
एक रिपोर्टर की डायरी

"एक सबद सुख खानि है एक सबद दुख रासि
एक सबद बंधन कटै एक सबद गल फांसि।"

कबीरदास

(एक शब्द सुखों की खान होता है, एक शब्द दुखों का ढेर होता है। एक शब्द समस्त बन्धनों को काट देता है और एक शब्द गले की फांसी बन जाता है।)

'शब्द फूल है या काँटा' - अपना अनुभव प्रस्तुत करें।

- - - - - - - - -

- - - - - - - - -

- - - - - - - - -

शब्द आदमी है

डॉ.पी.वी.विजयन

शब्द आदमी है
आदमी की अच्छाइयाँ, बुराइयाँ, आदतें, ताकतें
और कमज़ोरियाँ शब्दों में जीवित हैं।
किसी के शब्द तीर हैं
दिल में दर्द बनकर चुभ जाते हैं।
किसी के शब्द फूल हैं

▲ शब्दों में क्या-क्या जीवित हैं?

तन मन में पुलक बोते हैं।

किसी के शब्द में गालियाँ

जो दूसरों को बदनाम करती हैं।

किसी के शब्दों में अर्चना के फूल निर्मल

जो हर कहीं सद्भावना की सुगन्ध देते हैं।

कुछ शब्द हैं गोलियाँ-दवा की गोलियाँ,

जो बीमार जन को एक दम आराम देती हैं।

और कुछ शब्द हैं गोलियाँ-बन्दूक की गोलियाँ

जो छूटते ही किसी के प्राण हरती हैं।

किसी के शब्द हैं शव

जड़ हैं निष्प्राण लगते हैं

किसी के शब्द है शिव

मृत्यु को भी रोकते पल भर।

▲ 'शब्द तीर हैं' तीर से क्या मतलब है?

▲ 'शिव' और 'शव' से क्या मतलब है?

कवि परिचय

नाम	:	डॉ.पी.वी.विजयन
जन्म	:	एरणाकुलम जिला, केरल
शिक्षा	:	आगरा विश्वविद्यालय से एम.ए. और पी.एच.डी.
अध्यापन	:	कोल्लम श्री नारायण कॉलेज, केरल विश्वविद्यालय, कोचिन विश्वविद्यालय।
पुरस्कार	:	1974 में 'कथ्य और तथ्य' नामक कविता संग्रह के लिए केन्द्र सरकार का पुरस्कार।

समान आशयवाली पंक्तियाँ चुनकर लिखें।

* किसी का वचन मन को पीड़ा देता है।
* किसी का शब्द मन को आराम देता है।

सोचें..... समझें..... विचार करें।

"किसी के शब्द हैं शव,
जड है निष्प्राण लगते हैं।
किसीके शब्द है शिव
मृत्यु को भी रोकते पल भर।" – आशय व्यक्त करें।

▲ "हर शब्द के पीछे न कोई देवता है न ब्रह्म
हर शब्द के पीछे आदमी है कोई न कोई
उसकी संवेदना है
हाँ! शब्द आदमी है ।"

* शब्द की विशेषताएँ बताएँ।
* 'शब्द मानव की संवेदना है' चर्चा करें।

अपनी प्रोफाइल तैयार करें।

नाम	:
आयु	:
पुरुष/स्त्री/अन्य	:
जन्म	:
शैक्षिक योग्यताएँ	:
पेशा	:
पता	:
रुचियाँ	:

अक्षर पहचानें, लिखें।

जीवित	बुराइयाँ	कमज़ोरी	पुलक	आषाढ़
दवा	ब्रह्म	कुछ	पीछे	औषधी
शव	बन्दूक	किसी	पानी	शोषण
व	**ब**	**क**	**प**	**ष**

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

गिनती।

❀❀❀❀❀❀ छह

❀❀❀❀❀❀❀ सात

❀❀❀❀❀❀❀❀ आठ

❀❀❀❀❀❀❀❀❀ नौ

❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀ दस

6	7	8	9	10
छह	सात	आठ	नौ	दस

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

आदिवासी की पीटपीट कर हत्या : दो गिरफ़्तार

पालक्काड (केरल) : केरल के पालक्काड जिले के अट्टप्पाटी में 27 वर्षीय आदिवासी युवक मधु की भीड़ द्वारा पीट-पीट कर हत्या करने के संबंध में केरल पुलिस ने शुक्रवार को दो लोगों को गिरफ़्तार किया।

▲ "उन पर खाने-पीने का सामान चुराने का आरोप था।" - क्या भूख अपराध है? अपना विचार व्यक्त करें।

कुछ दिन पहले 'कदुकुमन्ना' के आदिवासी इलाके में रहनेवाले मधु को भीड ने बांधकर बुरी तरह से पीटा था, उन पर खाने-पीने का सामान चुराने का आरोप था। 27 वर्षीय मधु की मौत भीड़ द्वारा बुरी तरह पीटे जाने के बाद पुलिस वाहन में हो गयी थी।

सोचें..... समझें..... चर्चा करें।

मधु की हत्या किस सामाजिक मानसिकता की ओर संकेत करती है?

हम भी इंसान हैं

देश की सबसे प्राचीन एवं मूलजाति आदिवासी है। ये कई नामों से जाने जाते हैं, जैसे वनवासी, गिरिजन आदि। ये कुल जनसंख्या का करीब सात प्रतिशत हैं। इनकी अपनी संस्कृति है। जंगलों में रहते हुए इनके पास जडि-बूटियों के उपयोग की गहरी जानकारी है। वे वृक्ष का आदर करते हैं, और इसी कारण कई वृक्ष काटने से बच गये हैं। लोकसंगीत के बिना इनकी हर रीति-रिवाज़ अधूरी रह जाती हैं। इन में सहकारिता की भावना है। आदिवासियों का हित केवल आदिवासी समाज का हित नहीं है, संपूर्ण देश और समाज केलिए वह अनिवार्य है। आज इन लोगों की स्थिति दयनीय है। उनके इलाकों में पानी, सड़कें , शिक्षा की सुविधा आदि की कमी है। एक हद तक ये सामाजिक न्याय से वंचित हैं। इनका विकास सामाजिक कल्याण केलिए अपेक्षित है।

- आदिवासी लोग हमारे समाज के अभिन्न अंग हैं। अपना विचार प्रकट करें।
- आदिवासी जीवन से संबन्धित समाचारों का संचयन करें।
- आदिवासी जीवन की तरक्की के लिए क्या-क्या कर सकते हैं। चर्चा करें।

अक्षर पहचानें, लिखें।

खाद	**घ**र	**चा**र	**छी**न	**जा**ति	**झा**डू
खादी	**घो**सला	**चो**र	**छ**तरी	**जी**त	**झाँ**सी

ख घ च छ ज झ

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

क का कि की कु कू

च चा .....

ट .....

त .....

प .....

ख .....

ग .....

घ .....

ठ .....

ड .....

"प्राकृतिक आपदाएँ मानव जीवन पर गहरा असर डालता है" चर्चा करें।

एक रिपोर्टर की डायरी

2018 अगस्त 18 शनिवार

केरल राज्य में हुई बाढ़ की त्रासदी को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का अवसर मुझे भी मिला। बीते आठ दिनों में मैं कई राहत शिवरें गयी। समाज के सभी स्तर के लोगों को मैं ने वहाँ देखा । आज मैं कोच्चि से तिरुवनंतपुरम निकली। रास्ते में एक राहत शिविर में कुछ देर रुकी। यहाँ मेरी मुलाकात कई पीड़ित लोगों से हुई। उनकी आँखों में अब भी भय

है। राज्य के चारों तरफ़ से लोग उनकी सहायता केलिए उधर शामिल हैं। मैं ने सोचा कि ज़रूर उनका भय दूर हो जाएगा। बीच में मैं ने देखा कि कुछ स्त्री-पुरुष भीगी आँखों से आ रहे हैं। उन्होंने कहा "अपने घर देखने केलिए गये लेकिन वहाँ घर का निशान तक नहीं, सब पानी में डूब गये हैं।" मैं ने उनको सांत्वना दी । लेकिन मेरा गला भी भर गया था। बहुत गर्व के साथ मैं ने अनुभव किया, हमारे मछुवारे भाइयों का सामाजिक दायित्व। अनेकों के जीवन की रक्षा उनके द्वारा हुई है - धन्य है। वे असल में केरल की रक्षा-सेना है।

सोचें..... समझें..... चर्चा करें।

- बाढ़ संबन्धी आपका अनुभव बाँट लें, चर्चा करें।
- बाढ़ संबन्धी आपका अनुभव दिल्ली के अपने एक दोस्त को पत्र द्वारा बाँटता है। वह पत्र तैयार करें।
- बाढ़ संबन्धी अन्य समाचारों का संचयन करें।
- 'पारिस्थितिक विषय और केरल में आए बाढ़' - विषय पर एक लेख तैयार करें।

भाषा की बात

कृ के कै को कौ कं कः

चृ चे .....

ट्र .....

तृ .....

पृ .....

गृ .....

घृ .....

अक्षर पहचानें, लिखें।

क्षेत्र	मित्रता	विज्ञान
क्षण	त्रय	ज्ञान
क्ष	**त्र**	**ज्ञ**

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

- - - - - - - - - -

▲ **पढ़ें.... समझें.....**

हमको हिन्दी पढ़नी चाहिए।

मुझको काम करना चाहिए।

राणी को खत लिखना चाहिए।

अमीर को चाय पीनी चाहिए।

▲ **चुनें.... लिखें.....**

'चाहिए' का प्रयोग समझकर ऐसे वाक्य पाठपुस्तक से चुनकर लिखें।

शब्दार्थ

शब्द आदमी है

शब्द	-	വാക്ക്, Word
आदत	-	ശീലം, habit
ताकत	-	ശക്തി, Strength
कमज़ोरी	-	ദൗർബല്യം, Weakness
तीर	-	ബാണം, Arrow
दर्द	-	വേദന, Pain
चुभना	-	തുളയ്ക്കുക, Pierce
गालियाँ देना	-	വഴക്ക് പറയുക, To Scold
बदनाम	-	ചീത്തപ്പേര്, Defame
बीमार	-	രോഗി, Patient
आराम	-	വിശ്രമം, Rest
प्राण	-	ജീവൻ, Life
जड़	-	ചേതനയറ്റ, Dead or Lifelss
पल	-	നിമിഷം, moment

आदिवासी जीवन

भीड़	-	തിരക്ക്, crowd
गिरफ़्तार	-	അറസ്റ്റ്, arrest
पीटना	-	മർദ്ദിക്കുക, to beat
चुराना	-	മോഷ്ടിക്കുക, to steal
मौत	-	മരണം, death
करीब	-	ഏകദേശം, around
संस्कृति	-	സംസ്കാരം, culture
जडी-बूटियाँ	-	ഔഷധങ്ങൾ, medicines

जानकारी	-	അറിവ്, knowledge
रीति-रिवाज़	-	ആചാരരീതി, custom
सहकारिता	-	സഹകരണം, Co-operation
शिक्षा	-	വിദ്യാഭ്യാസം, Education
सुविधा	-	സൗകര്യം, Facility

डायरी

राज्य	-	സംസ്ഥാനം, State
बाढ़	-	വെള്ളപ്പൊക്കം, Flood
राहत शिवर	-	ദുരിതാശ്വാസ ക്യാമ്പ്, Relief Camp
मुलाकात	-	കുമുട്ടൽ, പരിചയപ്പെടൽ, to meet
निशान	-	അടയാളം, Symbol
दायित्व	-	ഉത്തരവാദിത്വം, Responsibility

अधिगम उपलब्धियाँ

- संगोष्ठी में भाग लेकर अपना मत प्रकट करता है।
- मानवीय मूल्य संबन्धी कविताएँ पढ़कर आशय ग्रहण करता है।
- प्रत्यय सहित सर्वनामों का प्रयोग समझता है।
- सामाजिक मूल्य समझ सकता है।
- हाशिएकृत लोगों की समस्याओं को समझता है।
- समाचार पत्रों के प्रभाव के बारे में समझता है।
- पत्र लिखने की क्षमता प्राप्त करता है।
- समाचारों को संचयन करने की क्षमता प्राप्त करता है।

इकाई तीन

यात्रीगण कृपया...
सिनेमा : पहला दौर
माधवी कुट्टी
ईदगाह

उद्घोषणा

केरल के यातायात की सुविधाओं पर चर्चा करें।

यात्रीगण कृपया...

- "यात्रियों, कृपया ध्यान दीजिए गाड़ी नंबर 16604 तिरुवनन्तपुरम से मंगलूर तक जानेवाली मंगलूरु एक्सप्रेस प्लाटफार्म नंबर एक पर खड़ी है।"
- "यात्रियों कृपया ध्यान दें, गाड़ी नंबर 22816 एरणाकुलम-बिलासपुर

सूपर फास्ट एक्सप्रेस थोड़ी ही देर में प्लाटफार्म नंबर चार पर आने की संभावना है।"

▲ "यात्रियों कृपया ध्यान दें। एक अवश्य सूचना। भारी वर्षा और तूफ़ान के कारण निलंबूर-षोरणूर पैसंजर आज रद्द किया गया है। यात्रियों की असुविधा पर खेद है।"

रेलवे फॉर्म की पूर्ति करें।

आरक्षण/रद्दकरण मांग पत्र

यदि आप डॉक्टर हैं तो कृपया बॉक्स में सही (/) का निशान लगाएं (आपात स्थिति में आपसे मदद ली जा सकती है) डॉ ☐

यदि आप गर्भवती महिला हैं और कोटे के अंतर्गत बर्थ आरक्षित कराना चाहती हैं तो कृपया बाक्स में (√) का निशान लगाएं. यदि हाँ, तो कृपया पंजीकृत डॉक्टर का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें. ☐

यदि आप वरिष्ठ नागरिक रियायत चाहते हैं तो कृपया बाक्स में हां/नहीं लिखें. ☐
(यदि हां, तो कृपया वर्तमान रेलवे नियमों के अंतर्गत प्रभार से बचने के लिए यात्रा के दौरान आयु का प्रमाण साथ रखें)
यदि आप वरिष्ठ नागरिक संबंधी रियायत छोड़ना चाहते हैं तो कृपया रियायती राशि का वह अंश, जिसे आप छोड़ना चाहते हैं, को दर्शाएं: 50% ☐ अथवा 100 % ☐

क्या आप बिना अतिरिक्त प्रभार के अपग्रेड होना चाहते है तो कृपया बाक्स में हां/नहीं लिखें. ☐
(यदि इस विकल्प का प्रयोग नहीं किया जाता है तो पूरे किराए का भुगतान करने वाले यात्रियों को स्वत:अपग्रेड किया जा सकता है)

यदि आप विकल्प योजना के तहत वैकल्पिक रेलगाड़ी में अपना टिकट शिफ्ट करवाना चाहते हैं तो कृपया बॉक्स में हां/नहीं लिखें. ☐
(केवल प्रतीक्षा सूची टिकट वालों के लिए)
यदि आप गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन की तृतीय श्रेणी वातानुकुलित श्रेणी या दूरंतो एक्सप्रेस ट्रेन की स्लीपर श्रेणी में यात्रा कर रहे हैं तो क्या आप गाड़ी में बेडरोल चाहते हैं? बाक्स में हां/नहीं लिखें. ☐

गाड़ी सं. और नाम..... यात्रा की तारीख .....
श्रेणी ..... शायिकाओं/सीटों की सं. .....
स्टेशन से ..... जिस स्टेशन तक .....
यात्रा आरंभ करने का स्टेशन..... स्टेशन तक आरक्षण .....
मोबाइल सं. .....(एसएमएस के जरिए पी.एन.आर.की अद्यतन स्थिति बताने के लिए)

क्र.स.	नाम स्पष्ट अक्षरों में(15 अक्षरों से अधिक न हो)	राष्ट्रीयता	लिंग (पु./स्त्री) या टी	आयु	रियायत/ यात्रा प्राधिकार सं.	बर्थ की प्राथमिकता यदि कोई हो (निचली बर्थ/ऊपरी बर्थ)यदि 5वर्ष की आयु तथा 12 वर्ष से कम की आयु के बच्चे के लिए बर्थ अपेक्षित नहीं हो,तो एनओएसबी लिखें	राजधानी/शताब्दी/दुरन्तो रेलगाड़ियों के लिए खाने का विकल्प क्या आप खाना लेना चाहते हैं, (✓) करें. हां ☐ नहीं ☐ यदि हां,	
							शाकाहारी	मांसाहारी
1.								
2.								
3.								
4.								
5.								
6.								

5 साल से कम आयु के बच्चे (जिनके लिए टिकट जारी नहीं किए जाते हैं)

क्र. सं.	नाम स्पष्ट अक्षरों में	लिंग (पु./स्त्री) या टी	आयु
1.			
2.			

आगे की / वापसी यात्रा का विवरण

गाड़ी सं. और नाम..... यात्रा की तारीख .....
श्रेणी .....स्टेशन से..... स्टेशन तक .....
आवेदक का नाम .....
पूरा पता .....
.....
आधार सं.(वैकल्पिक).....

आवेदक/प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

टेलीफोन नं./ मोबाइल नं (यदि कोई हो).....यात्रा की तारीख.....समय.....

केवल सरकारी प्रयोग के लिए

मांग पत्र की क्रम सं. ..... पी.एन.आर. सं.....
शायिका / सीट सं..... वसूल की गई राशि .....

आरक्षण लिपिक के हस्ताक्षर

नोट: 1. एक मांग-पत्र के साथ अधिक से अधिक 6 व्यक्तियों के नाम दिए जा सकते हैं. (तत्काल टिकट को छोड़कर)
2. एक व्यक्ति एक बार में केवल एक मांग-पत्र दे सकता है. (उसी पार्टी की आगे की/वापसी यात्रा के मामलों को छोड़कर)
3. कृपया खिड़की छोड़ने से पहले अपनी टिकट और शेष राशि की जांच कर लें.
4. ठीक ढंग से न भरे गए या अपाठ्य फार्म स्वीकार नहीं किये जाएंगे.
5. बर्थ संबंधी विशेष मांग पर केवल स्थान उपलब्ध होने पर ही विचार किया जाएगा.
6. एक टिकट पर बुक किए गए यात्रियों को अपग्रेड की गई श्रेणी में एक साथ इकट्ठे स्थान भी दिया सकता है अथवा नहीं भी दिया जा सकता है
7. गर्भवती महिलाएं स्वयं के लिए, वरिष्ठ नागरिक कोटे के अंतर्गत "पहले आओ पहले पाओ" के आधार पर निचली शायिका आरक्षित करवा सकती हैं.
8. यात्रा के दौरान किसी एक यात्री को कोई एक निर्धारित पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य है। (मूल रूप में)

रेलवे संबन्धी कुछ पारिभाषिक शब्द।

आरक्षण	-	Reservation
रद्दीकरण	-	Cancellation
वरिष्ठ नागरिक	-	Senior Citizen
श्रेणी	-	Class
गाड़ी संख्या	-	Train Number
भुगतान	-	Payment
शायिका	-	Berth
आगे की यात्रा	-	Onward Journey
वापसी यात्रा	-	Return Journey
आयु	-	Age
रियायत	-	Concession
विकल्प	-	Choice

पर्यावरण संबंधी उद्घोषणा तैयार करें।

जैसे : कूडा कचरा सार्वजनिक जगहों पर न डालें।

स्वास्थ्य संबंधी उद्घोषणा तैयार करें।

जैसे : स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन

✍ बाढ़ संबंधी उद्घोषणा तैयार करें।

जैसे :

बाँध खुलनेवाला है,

नदी के तट पर रहनेवाले सजग रहें!

✍ किन्हीं पाँच उद्घोषणाओं का मातृभाषा में अनुवाद करें।

.....

.....

.....

भाषा की बात

क	का	कि	की	कु	कू	कृ	के	कै	को	कौ	कं	कः
ज	जा	.....										
प	पा	.....										

▲ पढ़ें..... समझें.....

मैं आऊँगा।	मैं आऊँगी।
तुम आओगे।	तुम आओगी।
हम आएँगे।	हम आएँगी।
लड़का आएगा ।	लड़की आएगी।
लड़के आएँगे।	लडकियाँ आएँगी।
वह आएगा।	वह आएगी।
वे आएँगे।	वे आएँगी।

लेख

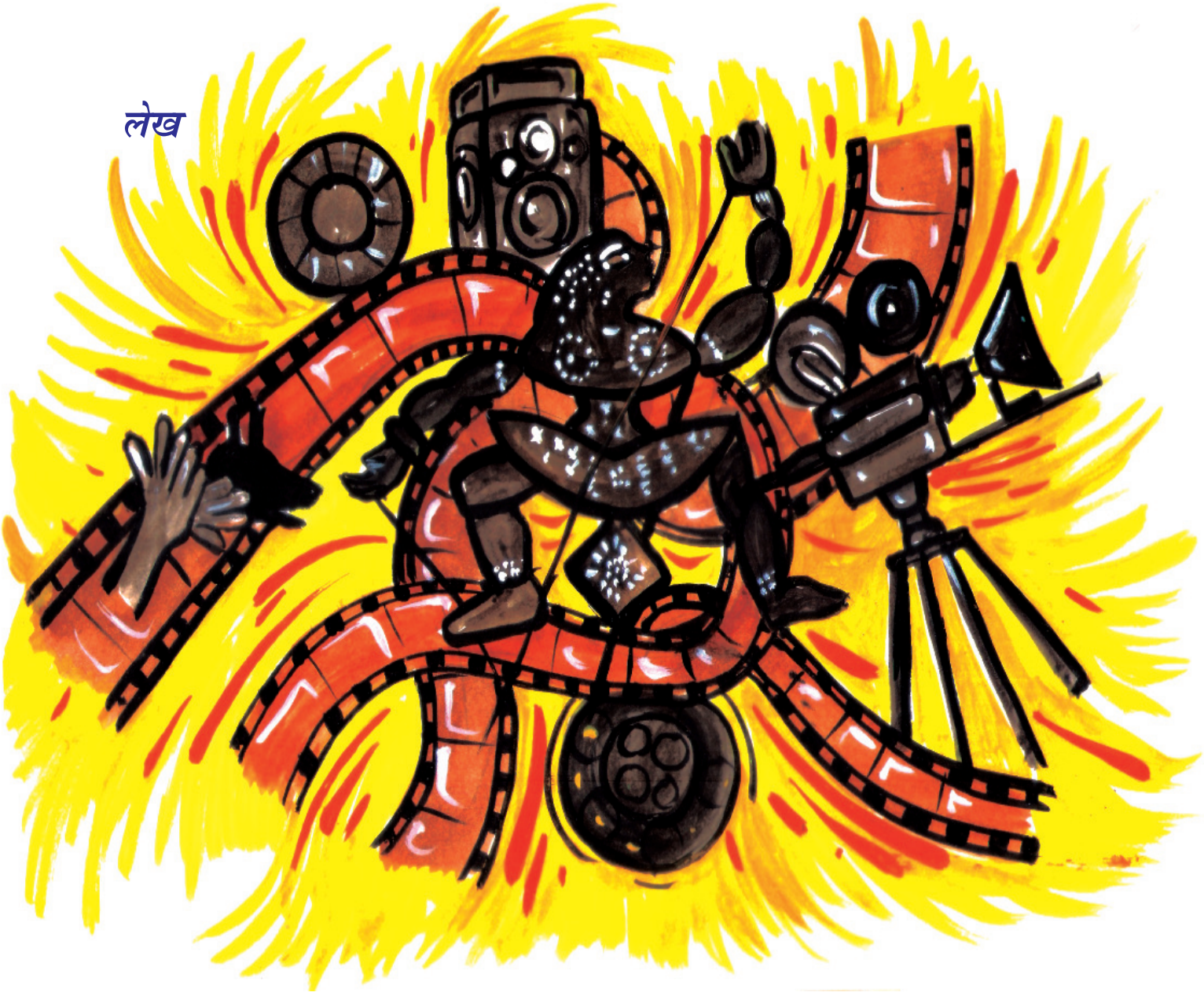

सिनेमा : पहला दौर

सिनेमा एक सामूहिक कला है। यह एक ऐसी कला का कोलाज़ है, जिसमें एक साथ कई कलाओं के संगम होते हैं। सिनेमा को न तो साहित्य से अलग करके देखा जा सकता है और न ही संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला, पैंटिग, अभिनय, नृत्यकला आदि से।

▲ "सिनेमा कई कलाओं का कोलाज़ है।" स्पष्ट करें।

आज का सिनेमा अत्यधिक विकसित एवं तकनीकी प्रणाली से युक्त है। शुरुआती दौर से आज तक फिल्म विधा कई चरणों से गुज़री है। इसका एक लम्बा रोचक इतिहास है। इस कला का जन्म 19 वीं शताब्दी में हुआ। अमेरिका में फिल्मों को लेकर कई प्रयोग होने लगे। वहाँ एडविन पॉर्टन ने सिनेमा को एकदम नयी दिशा प्रदान की । उसने 11 मिनिट की एक अद्‌भुत फिल्म तैयार की जिसका नाम था 'दि ग्रेट ट्रेन रोबरी' । इस फिल्म में उसने मल्टीपल शॉट्स, सीन कट, क्लोज़अप, लॉंग शॉट जैसी नई तकनीकें अपनाई और अपनी कल्पनाशीलता, रचनात्मकता और प्रतिभा का परिचय दिया।

▲ सिनेमा के पहले दौर में एड्विन पार्टन का योगदान क्या है?

इन आरंभिक प्रयासों में ल्यूमियर बंधुओं के नाम भी उल्लेखनीय हैं। उन्होंने ही फिल्म को व्यवसाय के रूप में सबसे पहले स्थापित किया। 28 दिसंबर 1895 में पेरिस के ग्रँड कैफे के सैलूनव इंडियन में विश्व की पहली फिल्म दिखाई गयी जो सिर्फ मूविंग इमेज की थी। लूमियर ब्रदर्स ने व्यावसायिक दृष्टिकोण से सिनेमाटोस्कोप का प्रसारण किया और कुछ नए प्रयोगों के द्वारा व्यावसायिक रूप से छोटी -छोटी फिल्मों का प्रदर्शन भी विश्व भर में किया। जानैस मिलिस ने 1897 में पेरिस के निकट दुनिया का पहला स्टुडियो स्थापित किया जिस का नाम था मैथेगारमण्टे। ल्यूमियर ब्रदर्स के इस आविष्कार को ग्रिफ्थ ने विकसित किया और कैमरे को फिल्म की भाषा के रूप में स्थापित किया।

▲ सिनेमा के आरंभिक प्रयासों में ल्यूमियर ब्रदर्स की भूमिका पर विचार करें।

19 वीं सदी में जन्मे इस अनुपम विधा के बारे में जानकर दुनिया भर के लोगों को आश्चर्य हुआ था । इसके ठीक एक साल बाद यह कला सागर लाँघकर भारत पहुँची। भारत में 7 जुलाई 1896 को बंबई के वाट्सन होटल में मेजिक लेंप जो छः छोटे-छोटे चलचित्रों का संग्रह था, वह दिखाया गया।

- एक मन पसंद फिल्म के बारे में दो व्यक्तियों के बीच का वार्तालाप प्रस्तुत करें।
- अपने मन पसंद सिनेमा का पोस्टर तैयार करें।

सोचें..... समझें..... चर्चा करें।

* समकालीन मलयालम फिल्मों पर चर्चा करें।

भाषा की बात

मिल	-	मिला
जा	-	गया
देख	-	देखा
भीग	-	भीगा
पूछ	-	पूछा
दे	-	दिया
हो	-	हुआ

मिला - मिले - मिली
गया - गये - गयी
देखा - देखे - देखी
भीगा - भीगे - भीगी
पूछा - पूछे - पूछी
दिया - दिये - दी
हुआ - हुए - हुई

माधवी कुट्टी

माधवी कुट्टी के उपनाम से विख्यात कवियित्री है कमला दास। कमला दास का जन्म 31 मार्च 1934 को केरल के त्रिशूर जिले में हुआ। उन्हें बचपन से ही कविताएँ लिखने का शौक था। अपने मामाजी नालपाट्ट नारायण मेनन, जोकि एक प्रमुख लेखक थे, उनसे प्रभावित

होकर कमला दास ने बहुत ही कम उम्र से कविता लिखनी शुरू की। उनकी माँ बालामणियम्मा एक जानी मानी कवयित्री थीं। उनके लेखन का कमला दास पर खास असर पड़ा। केवल छह साल की आयु में पत्रिकाओं के लिए वे लिखने लगीं। कमला दास अंग्रेज़ी में लिखने वाली भारतीय महिलाओं में प्रमुख है।

आज़ादी से पहले के दौर में कमला दास महिलाओं के हक उठाने वाली लेखिका के रूप में मानी जाती हैं। वह मलयालम के साथ अंग्रेज़ी में भी लिखने में सिद्धहस्त है। अपने मलयालम पाठकों के लिए वे माधवी कुट्टी के नाम से लिखती थीं तो अंग्रेज़ी में कमला दास के नाम से। उनकी रचना 'माय स्टोरी' का बडा प्रचार मिला। पंद्रह विदेशी भाषाओं में उसका अनुवाद भी हुआ। उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति मिली।

उनकी शादी 15 साल के उम्र में रिजर्व बैंक में काम करने वाले माधव दास से हुई। पति के साथ वे मुंबई गईं। माधवी कुट्टी ने लिखा है – "महिला चाहे कुछ भी बन जाए लेकिन उसे महिला होने के नाते अच्छी पत्नी और अच्छी माँ के रूप में ज़्यादा प्रूफ करना होता है।" भारत के इतिहास में कमला दास शायद पहली लेखिका थीं जिन्होंने नारी विमर्श पर खुलकर अपने विचार रखे। वह हिन्दू परिवार में पैदा हुई थी, लेकिन 65 की उम्र में उन्होंने अपना धर्म परिवर्तन किया और इस्लाम धर्म अपनाया। कभी अपनी लेखनी में भगवान कृष्ण का ज़िक्र करने वाली और अपने को राधा बताने वाली कमला के इस बयान पर काफी हंगामा मचा जिसमें उन्होंने कहा था, "मैंने अपने कृष्ण को अल्लाह में रुपांतरित कर दिया।"

उनको वर्ष 1984 में साहित्य के नोबल पुरस्कार के दावेदारों की सूची में भी जगह मिली। लेकिन उन्हें सफलता हासिल नहीं हुई। उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कार और सम्मान मिले। उनकी महत्वपूर्ण कहानियों में पक्षीयुडे मणम, नेईपायसम, चन्दनमरङ्ङल् आदि हैं। केन्द्र साहित्य अकादमी और केरल साहित्य अकादमी पुरस्कार उन्हें मिले हैं। मई 31, 2009 को उनका निधन हुआ।

- मलयालम की किसी दस महिला लेखकों के नाम लिखें।

  .....

  .....

  .....

- हिन्दी की किसी पाँच महिला लेखकों के नाम लिखें।

  .....

  .....

  .....

- माधवीकुट्टी की प्रोफाईल (जीवनवृत्त) तैयार करें।
- माधवीकुट्टी की इस जीवनी से आत्मकथांश तैयार करें।
- मलयालम के एक महान साहित्यकार की जीवनी तैयार करें।
- माधवीकुट्टी की किसी एक मलयालम कहानी पढ़कर उसका अंश का हिन्दी में अनुवाद करें।

सोचें..... समझें..... चर्चा करें।

- किसी एक मलायलम लेखिका की साहित्यिक जीवन पर चर्चा करें।

भाषा की बात

मेरा	मेरी	मेरे
तेरा	तेरी	तेरे
तुम्हारा	तुम्हारी	तुम्हारे
उसका	उसकी	उसके
उनका	उनकी	उनके
इसका	इसकी	इसके

'लग' का प्रयोग देखें।

लगा।

लिखने लगा।

राजू लिखने लगा।

राजू कविता लिखने लगा।

राजू पाठ लिखने लगा।

राजू हिन्दी पाठ लिखने लगा।

पूरा करें।

लगी।

जाने लगी।

रसिया .....

.....

.....

पूरा करें।

लड़के खेलने लगे।

लड़के गेंद खेलने लगे।

.....

.....

पूरा करें।

लड़कियाँ नाचने लगीं।

.....

.....

▲ 'लग' के प्रयोगवाले वाक्य इस इकाई से चुनकर लिखें।

.....

.....

.....

.....

ईदगाह

रमज़ान के पूरे तीस रोज़ों के बाद ईद आई है। कितना मनोहर, कितना सुहावना प्रभात है। वृक्षों पर कुछ अजीब हरियाली है, खेतों में कुछ अजीब रौनक है, आसमान पर कुछ अजीब लालिमा है। आज का सूर्य देखो, कितना प्यारा, कितना शीतल है, मानो संसार को ईद की बधाई दे रहा है।

गाँव में कितनी हलचल है। ईदगाह जाने की तैयारियाँ हो रही हैं। किसी के कुरते में बटन नहीं है। पड़ोस के घर से सुई-तागा लाने को दौड़ा

जा रहा है। किसी के जूते कड़े हो गये हैं, उनमें तेल डालने के लिए तेली के घर भागा जाता है। जल्दी-जल्दी बैलों को सानी-पानी दे दें, ईदगाह से लौटते-लौटते दोपहर हो जाएगी। तीन कोस का पैदल रास्ता, फिर सैकड़ों आदमियों से मिलना, भेंट करना, दोपहर के पहले लौटना असंभव है, लड़के सबसे ज्यादा प्रसन्न हैं। किसी ने एक रोज़ा रखा है, वह भी दोपहर तक, किसीने वह भी नहीं, लेकिन ईदगाह जाने की खुशी उनके हिस्से की चीज़ है। रोजे बड़े-बूढ़ों के लिए होंगे। इनके लिए तो ईद है।

रोज़ ईद का नाम रटते थे। आज वह आ गई। अब जल्दी पड़ी है कि लोग ईदगाह क्यों नहीं चलते। इन्हें गृहस्थी की चिन्ताओं से क्या प्रयोजन। सेवैयों के लिए दूध और शक्कर घर में है या नहीं, इनकी बला से, ये तो सेवैयाँ खाएँगे।

वह क्या जानें कि अब्बाजान क्यों बदहवास चौधरी कायमअली के घर दौड़े जा रहे हैं। उन्हें क्या खबर कि चौधरी आज आँखें बदल लें, तो यह सारी ईद मुहर्रम हो जाए। उनकी अपनी जेबों में तो कुबेर का धन भरा हुआ है। बार-बार जेब से अपना खजाना निकालकर गिनते हैं और खुश होकर फिर रख लेते हैं। महमूद गिनता है, एक-दो, दस-बारह, उसके पास बारह पैसे हैं, मोहसिने पास एक, दो, तीन, आठ, नौ, पन्द्रह पैसे हैं। इन्हीं अनगिनती पैसों में अनगिनती चीज़ें लाएँगे- खिलौने, मिठाइयाँ, बिगुल, गेंद और जाने क्या-क्या!

और सबसे ज़्यादा प्रसन्न है हामिद। वह चार-पाँच साल का गरीब-सूरत, दुबला-पतला लड़का, जिसका बाप गत वर्ष हैजे की भेंट हो गया और माँ न जाने क्यों पीली होती-होती एक दिन मर गई। किसी को पता न चला, क्या बीमारी है। कहती भी तो कौन सुननेवाला था। दिल पर जो बीतती थी, वह दिल ही में सहती और जब न सहा गया तो संसार से विदा हो गई।

अब हामिद अपनी बूढ़ी दादी अमीना की गोद में सोता है और उतना ही प्रसन्न है। उसके अब्बाजान रुपये कमाने गये हैं। बहुत-सी थैलियाँ लेकर आएँगे। अम्मीजान नियामतें लेकर आएँगी तो वह दिल के अरमान निकाल लेगा। तब देखेगा महमूद, मोहसिन, नूरे और सम्मी कहाँ से उतने पैसे निकालेंगे। अभागिनी अमीना अपनी कोठरी में बैठी रो रही है। आज ईद का दिन और उसके घर में दाना नहीं। आज आबिद होता तो क्या इसी तरह ईद आती और चली जाती? इस अंधकार और निराशा में वह डूबी जा रही है। किसने बुलाया था इस निगौडी ईद को? इस घर

में उसका काम नहीं, लेकिन हामिद! उसे किसी के मरने-जीने से क्या मतलब? उसके अन्दर प्रकाश है, बाहर आशा। विपत्ति अपना सारा दलबल लेकर आए, हामिद की आनन्द भरी चिन्तन उसका विध्वंस कर देगी।

हामिद भीतर जाकर दादी से कहता है - तुम डरना नहीं अम्मा, मैं सबसे पहले जाऊँगा। बिल्कुल न डरना।

गाँव से मेला चला और बच्चों के साथ हामिद भी जा रहा था। कभी सबके सब दौड़कर आगे निकल जाते। फिर किसी पेड़ के नीचे खड़े होकर साथवालों का इंतज़ार करते। ये लोग क्यों इतना धीरे चल रहे हैं? हामिद के पैरों में तो जैसे पर लग गये हैं। वह कभी थक सकता है? शहर का दामन आ गया, सड़क के दोनों ओर अमीरों के बगीचे हैं, पक्की चारदीवारी बनी हुई हैं। पेड़ों में आम और लीचियाँ लगी हुई हैं। कभी-कभी कोई लड़का कंकड़ उठाकर आम पर निशाना लगाता है। माली अन्दर से गाली देता हुआ निकलता है। लड़के वहाँ से एक फर्लांग पर हैं। खूब हँस रहे हैं। माली को कैसे उल्लू बनाया है। अब बस्ती घनी होने लगी थी। ईदगाह जानेवालों की टोलियाँ नज़र आने लगीं। एक से एक भडकीले वस्त्र पहने हुए, कोई इक्के-ताँगे पर सवार, कोई मोटर पर, सभी इत्र में बसे, सभी के दिलों में उमंग।

ग्रामीणों का वह छोटा-सा दल, अपनी विपन्नता से बेखबर, संतोष और धैर्य में मगन चला जा रहा था। बच्चों के लिए नगर की सभी चीज़ें अनोखी थीं। जिस चीज़ की ओर ताकते, ताकते ही रह जाते। और पीछे से बार-बार हार्न की आवाज़ होने पर भी न चेतते। हामिद तो मोटर के नीचे जाते-जाते बचा। सहसा ईदगाह नज़र आया। ऊपर इमली के घने वृक्षों की छाया है। नीचे पक्का फर्श है, जिसपर जाजिम बिछा हुआ है और रोज़ेदारों की पंक्तियाँ एक के पीछे एक न जाने कहाँ तक चली हुई है, पक्की जगत के नीचे तक, जहाँ जाजिम भी नहीं है, नए आनेवाले आकर पीछे की कतार में खड़े हो जाते हैं। आगे जगह नहीं है। यहाँ कोई धन और पद नहीं देखता। इस्लाम की निगाह में सब बराबर हैं। इन ग्रामीणों ने भी वज़ू किया और पिछली पंक्ति में खड़े हो गए। कितना सुन्दर संचालन है, कितनी सुन्दर व्यवस्था! लाखों सिर एक साथ सिजदे में झुक जाते हैं, फिर सब-के-सब एक साथ खड़े हो जाते हैं। एक साथ झुकते हैं और एक साथ घुटनों के बल बैठ जाते हैं। कई बार यही क्रिया होती है, जिसे बिजली की लाखों

बत्तियाँ एक साथ प्रदीप्त हों और एक साथ बुझ जाएँ और यही क्रम चलता रहे, कितना अपूर्व दृश्य था, जिसकी सामूहिक क्रियाएँ, विस्तार और अनन्तता हृदय को श्रद्धा, गर्व और आत्मानन्द से भर देती थीं। मानो भ्रातृत्व का एक सूत्र इन समस्त आत्माओं को एक लड़ी में पिरोए हुए हैं।

नमाज़ खत्म हो गई है, लोग आपस में गले मिल रहे हैं। तब मिठाई और खिलौने की दूकान पर धावा होता है। ग्रामीणों का वह दल इस विषय में बालकों से कम उत्साही नहीं है। यह देखो, हिंडोला है। एक पैसा देकर जाओ। कभी आसमान पर जाते हुए मालूम होंगे, कभी ज़मीन पर गिरते हुए। चर्खी है, लकड़ी के हाथी, घोड़े, ऊँट, छड़ों से लटके हुए हैं। एक पैसा देकर बैठ जाओ और पच्चीस चक्करों का मज़ा लो। महमूद और मोहसिन, नूरे और सम्मी इन घोड़ों और ऊँटों पर बैठते हैं। हामिद दूर खड़ा है। तीन ही पैसे तो उसके पास हैं। अपने कोष का एक तिहाई, ज़रा-सा चक्कर खाने के लिए, वह नहीं दे सकता। खिलौने के बाद मिठाइयाँ आती हैं। किसी ने रेवड़ियाँ ली हैं। किसीने गुलाब जामुन, किसीने सोहन हलवा मज़े से खा रहे हैं। हामिद बिरादरी से पृथक हैं। अभागे के पास तीन पैसे हैं। क्या नहीं कुछ लेकर खाता? ललचाई आँखों से सबकी ओर देखता है।

मिठाइयों के बाद कुछ दूकानें लोहे की चीज़ों की हैं, कुछ गिलट और कुछ नकली गहनों की। लड़कों के लिए यहाँ कोई आकर्षण न था। वह सब आगे बढ़ जाते हैं।

हमीद लोहे की दूकान पर रुक जाता है। कई चिमटे रखे हुए थे। उसे खयाल आया, दादी के पास चिमटा नहीं है। तवे से रोटियां उतारती हैं, तो हाथ जल जाता है। अगर वह चिमटा ले जाकर दादी को दे दे, तो वह कितनी प्रसन्न होंगी! फिर उनकी ऊँगली कभी न जलेंगी। घर में एक काम की चीज़ हो जाएगी। खिलौने से क्या फायदा। व्यर्थ में पैसे खराब होते हैं। उसने दूकानदार से पूछा, यह चिमटा कितने का है?

दूकानदार ने उसकी ओर देखा और कोई आदमी साथ न देखकर कहा, "यह तुम्हारा काम का नहीं है जी।"

"बिकाऊ है कि नहीं?"

बिकाऊ क्यों नहीं है? और यहाँ क्यों लाद लाए हैं?"

"तो बताते क्यों नहीं, कै पैसे का है?"

"छः पैसे लगेंगे?"

हामिद का दिल बैठ गया। "ठीक-ठीक बताओ।"

"ठीक-ठीक पाँच पैसे लगेंगे, लेना हो लो, नहीं तो चलते बनो।"

हामिद ने कलेजा मज़बूत करके कहा - "तीन पैसे लोगे?"

यह कहता हुआ वह आगे बढ़ गया कि दूकानदार की घुड़कियाँ न सुने। लेकिन दूकानदार ने घुड़कियाँ नहीं दीं। बुलाकर चिमटा दे दिया। हामिद ने उसे इस तरह कंधे पर रखा, मानो बंदूक है और शान से अकड़ता हुआ संगियों के पास आया।

ग्यारह बजे सारे गाँव हलचल मच गई। मेलेवाले आ गए। मोहसिन की छोटी बहन ने दौड़कर भिश्ती उसके हाथ से छीन लिया और मारे खुशी के जो उछली, तो मियाँ भिश्ती नीचे आ गए और सुरलोक सिधारे। इस पर भाई-बहन में मार-पीट हुई। दोनों खूब रोए। उनकी अम्मा शोर सुनकर बिगड़ी और दोनों को ऊपर से दो-दो चांटे और लगाए।

अब मियाँ हामिद का हाल सुनिये। अमीना उसकी आवाज़ सुनते ही दौड़ी और उसे गोद में उठाकर प्यार करने लगी। सहजा उसके हाथ में चिमटा देखकर वह चौंकी।

यह चिमटा कहाँ था?

मैंने मोल लिया है।

कै पैसे में?

तीन पैसे दिए।

अमीना ने छाती पीट ली। यह कैसा बेसमझ लड़का है कि दोपहर हुआ, कुछ खाया, न पिया, लाया क्या, चिमटा। सारे मेले में तुझे और कोई चीज़ न मिली जो यह लोहे का चिमटा उठा लाया?

हमीद ने अपराधी भाव से कहा - तुम्हारी उँगलियाँ तवे से जल जाती थीं, इसलिए मैंने इसे लिया।

बुढ़िया का क्रोध तुरन्त स्नेह में बदल गया, और स्नेह भी वह नहीं, जो प्रगल्भ होता है और अपनी सारी कसक शब्दों में बिखेर देता है। यह मूक स्नेह था, खूब ठोस, रस और स्वाद से भरा हुआ। बच्चों में कितना त्याग, कितना सद्भाव और कितना विवेक है! दूसरों के खिलौना लेते और मिठाई खाते देखकर इसका मन कितना ललचाया होगा! इतना जब्त इससे हुआ कैसे? वहाँ भी इसे अपनी बुढ़िया दादी की याद बनी रही। अमीना का मन गदगद हो गया। और अब एक बड़ी विचित्र बात हुई। हमीद के इस चिमटे से भी विचित्र। बच्चे हामिद ने बूढ़े हामिद का पार्ट खेला था। बुढ़िया अमीना बालिका अमीना बन गई। वह रोने लगी। दामन फैलाकर हामिद को दुआएँ देती जाती थी और आँसू की बड़ी-बड़ी बूँदें गिराती जाती थी। हामिद इसका रहस्य क्या समझता।

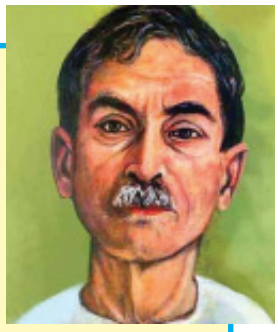

प्रेमचन्द

पूरा नाम	:	धनपतराय
जन्म	:	30 जुलाई 1880
जन्मस्थान	:	लमही, वाराणसी (उत्तरप्रदेश)।
उपन्यास	:	गोदान, निर्मला, गबन, सेवासदन, प्रेमाश्रम, कायाकल्प, कर्मभूमि।
नाटक	:	संग्राम, कर्बला, प्रेम की वेदी।
कहानी	:	परीक्षा, बड़े घर की बेटी, मैकू, कफन, पत्नी के पति, दूसरी शादी, पंचपरमेश्वर, प्रायश्चित।
निबन्ध	:	कुछ विचार।
निधन	:	8 अक्तूबर 1936

सोचें..... समझें..... लिखें।

- ईदगाह जाने के लिए गाँववासियों की तैयारियाँ कैसी चल रही है?
- किसने बुलाया था इस निगौडी ईद को? अमीना क्यों इस प्रकार सोचती है?
- 'सहजा उसके हाथ में चिमटा देखकर वह चौंकी।' क्या कारण होगा?
- बच्चों के त्याग और समभाव को इस कहानी में कैसे अभिव्यक्त किया है?
- 'हमीद ने अपराधी भाव से कहा.....' क्यों?

चर्चा करें... लिखें...

- गाँव के किसी त्योहार के बारे में अपने मित्र को पत्र लिखें।
- 'बच्चे हमीद ने बूढ़े हमीद का पार्ट खेला था। बुढ़िया अमीना बालिका अमीना बन गयी' - हामिद और अमीना की मानसिकता पर चर्चा करें।
- इस विषय पर अमीना अपनी सहेली से बातें करती है। वह बातचीत तैयार करें।
- प्रेमचन्द के बारे में एक अनुच्छेद तैयार करें।

भाषा की बात

जोसफ आया।	जोसफ़ ने आम खाया।
गीता गयी।	गीता ने आम खाया।
सुहाना हँसी।	सुहाना ने रोटी खायी।

▲ 'ने' के प्रयोगवाले वाक्य इस इकाई से चुनकर लिखें।

शब्दार्थ

यात्रियों कृपया ध्यान दें

उद्घोषणा	-	Announcement
ध्यान देना	-	ശ്രദ്ധിക്കുക, attend
संभावना	-	സാധ്യത, Possibility
भारी वर्षा	-	കനത്ത മഴ, Heavy Rain
तूफ़ान	-	കൊടുങ്കാറ്റ്, Storm
असुविधा	-	അസൗകര്യം, Inconvenience
खेद	-	ദുഃഖം, Sorry

सिनेमा : पहला दौर

तकनीकी	-	സാങ്കേതികം, Technology
शुरुआत	-	തുടക്കം, Starting
कल्पना	-	സങ്കൽപം, Imagination
प्रतिभा	-	കഴിവ്, Talent
विश्व	-	ലോകം, World
व्यवसाय	-	വ്യവസായം, Industry
प्रयोग	-	പരീക്ഷണം, Experiment
साल	-	വർഷം, Year
सागर	-	കടൽ, Sea
प्रदर्शन	-	പ്രദർശനം, Show

माधवीकुट्टी

विख्यात	-	प्रसिद्ध, famous
बचपन	-	കുട്ടിക്കാലം, Childhood
शौक	-	താത്പര്യം, Interest
उम्र	-	आयु, വയസ്സ്
असर पड़ना	-	प्रभाव होना, സ്വാധീനം
मार्गदर्शिका	-	വഴികാട്ടി, Guide
आज़ादी	-	സ്വാതന്ത്ര്യം, Independence
हक	-	അവകാശം, Rights
सिद्धहस्त	-	कुशल, समर्थ, Efficient
अंतर्राष्ट्रीय	-	അന്താരാഷ്ട്രീയം, International
दायित्व	-	ഉത്തരവാദിത്വം, Responsibility
इंतज़ार	-	പ്രതീക്ഷ, Expect of hope
इतिहास	-	ചരിത്രം, History
धर्म	-	മതം, Religion
रूपांतरण	-	രൂപാന്തരണം, മാറ്റം, Transformation
पुरस्कार	-	സമ്മാനം, Honour
निधन	-	मृत्यु, Death
जगह	-	स्थान, സ്ഥലം

ईदगाह

इमली	-	പുളിമരം, Tamarind Tree
फर्श	-	സമതലം, തറ, Floor, Ground

जाजिम	-	പലവർണ്ണത്തിലുള്ള തറവിരി, a multi-coloured floor sheet
कतार	-	നിര, വരി, line, row
निगाह	-	കണ്ണ്, നോട്ടം, eye, look
हिंडोला	-	ഊഞ്ഞാൽ, തൊട്ടിൽ, swing, cradle
रेवडी	-	എ ള്ള ു , a kind of sweet
चिमटा	-	ചവണ, tonge
सुहावना	-	ആകർഷകം, pleasing
अजीब	-	വിചിത്രമായ, miraculous
रौनक	-	ശോഭ, brightness
हलचल	-	ബഹളം, hustle
तीस कोस	-	ഏകദേശം 30 മൈൽ
रटना	-	ആവർത്തിച്ചു പറയുക, ഉരുവിടുക, to repeat
हैजा	-	കോളറ, Cholera
अरमान	-	ആഗ്രഹം, desire
निगोडी	-	ഭാഗ്യമില്ലാത്ത, unfortunate
दलबल	-	സൈന്യം, army
थकना	-	ക്ഷീണിക്കുക, to be fatigue
दामन	-	കുപ്പായത്തിന്റെ താഴത്തെ ഭാഗം, പർവ്വതത്തിന്റെ താഴ്‌വര, lower part of dress, Valley of mountain
लोथी	-	പത്താന്മാരുടെ ഒരു ജാതി, sub division of Pathans

निशाना	-	ലക്ഷ്യം, Target
टोली	-	ചെറിയ ഗ്രാമം, small village
भडकीले	-	തിളങ്ങുന്ന, മിന്നുന്ന, glittering, Showy
घुड़कियाँ	-	വഴക്ക്, ശാസന, scold
अकडना	-	ഉണങ്ങുക, അഹങ്കരിക്കുക, to dry, to show arrogance
भिश्ती	-	വെള്ളം ചുമക്കുന്നവൻ, a water carrier
कसक	-	വേദന, pain
ठोस	-	ദൃഢമായ, ബലിഷ്ഠമായ, hard, firm

अधिगम उपलब्धियाँ

- उद्घोषणा समझने और तैयार करने की क्षमता प्राप्त करता है।
- पारिभाषिक शब्दों की जानकारी प्राप्त करता है।
- भविष्यतकाल की अवधारणा प्राप्त करता है।
- फिल्मी क्षेत्र के बारे में जानकारी प्राप्त करता है।
- पोस्टर तैयार करने की क्षमता प्राप्त करता है।
- भूतकाल की अवधारणा प्राप्त करता है।
- 'जीवनी' तैयार करने की क्षमता प्राप्त करता है।
- आत्मकथा तैयार करने की क्षमता प्राप्त करता है।
- अनुवाद करने की क्षमता मिलता है।
- 'ने' का प्रयोग समझता है।
- 'लग' का प्रयोग समझता है।